भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्याः 2349

उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 3 अगस्त, 2026

12 श्रावण,1948 (शक)

बिहार के औरंगाबाद में विरासत स्थलों का संरक्षण

2349. **श्री अभय कुमार सिन्हाः**

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने बिहार के औरंगाबाद जिले में देव सूर्य मंदिर और उमगा सूर्य मंदिर जैसे विरासत स्थलों की पहचान की है या उनके संरक्षण में सहायता प्रदान की है;

(ख) औरंगाबाद लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में सांस्कृतिक संरक्षण और ऐतिहासिक स्थलों के प्रचार-प्रसार के लिए आवंटित धनराशि या कार्यान्वित योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या पिछले दो वर्षों के दौरान छठ पूजा परंपराओं से जुड़ाव सहित जिले की विरासत से जुड़े किमी सांस्कृतिक उत्सव या कार्यक्रम के लिए केंद्रीय सहायता प्राप्त हुई है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति और पर्यटन मंत्री

(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): बिहार के औरंगाबाद ज़िले में स्थित देव सूर्य मंदिर और उमगा सूर्य मंदिर, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के तहत केंद्रीय संरक्षित स्मारक नहीं हैं।

पर्यटन स्थलों और पर्यटन उत्पादों का विकास और प्रचार मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन द्वारा किया जाता है। तथापि, पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न योजनाओं जैसे स्वदेश दर्शन, स्वदेश दर्शन 2.0, चुनौती आधारित गंतव्य विकास और तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रसाद) के तहत, देश भर में पर्यटन से संबंधित बुनियादी ढाँचे और अनुभवों के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के प्रयासों में सहयोग करता है। इसमें बिहार के धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थल भी शामिल हैं।

बिहार राज्य में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की देखभाल और रखरखाव के तहत 70 केंद्रीय संरक्षित स्मारक हैं, जिनमें औरंगाबाद लोकसभा क्षेत्र का एक स्मारक 'शमशेर खान का मकबरा' भी शामिल है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण आवश्यकता और संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार केंद्रीय रूप से संरक्षित स्मारकों के संरक्षण और अनुरक्षण का कार्य करता है। इन 70 स्मारकों पर पिछले तीन वर्षों में आवंटित धनराशि और किए गए खर्च का विवरण नीचे दिया गया है:

(राशि करोड़ रुपए में)

क्रम सं.	वर्ष	आवंटन	व्यय
1.	2023-24	16.00	16.00
2.	2024-25	8.73	8.73
3.	2025-26	15.30	15.30

(ग) और (घ): संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान छठ से जुड़े गीत प्रस्तुत किए जाते हैं, जिससे इस त्योहार को बढ़ावा मिलता है और इसे पहचान मिलती है। इन प्रस्तुतियों को अकादमी के सांस्कृतिक रिकॉर्ड के हिस्से के रूप में दर्ज किया जाता है।

*****